Edu Junior

Where Passion Meets Educations

LEARN KWNIY

Where passion meets with educations

हिंदी व्याकरण

learnkwniy

अध्याय

विशेषण

विशेषण

वाक्य में संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

दूसरे शब्दों में कहे तो

जो शब्द जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, वे विशेष्य कहलाते हैं।

दूसरे शब्दों में कहे तो

संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता (गुण ,दोष ,संख्या , परिमाण आदि) बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं ।

learnkwniy

उदहारण

यह रंग-बिरंगी तितली है।

नेहा ने सुंदर फ्रॉक पहनी है।

पिता जी चार दर्जन केले लाए हैं।

लाल सेब मीठे होते हैं।

बड़ा ,काला ,लंबा ,दयालु ,भारी ,सुन्दर ,कायर ,टेढ़ा - मेढ़ा ,एक , दो आदि ।

विशेषण के पांच प्रकार हैं

(1) गुणवाचक विशेषण

(2)संख्यावाचक विशेषण

(3) परिमाण-बोधक विशेषण

(4) सार्वनामिक विशेषण

(5) व्यक्तिवाचक विशेषण

गुणवाचक विशेषण

जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम के गुण दोष, रंग-रूप आदि के बारे में बताते हैं, वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

दूसरे शब्दों में कहे तो

जिस शब्द से संज्ञा या सर्वनाम के गुण, रूप, रंग आदि का बोध होता है, उसे गुण वाचक विशेषण कहते हैं।

learnkwniy

उदहारण

- लाल गुलाब बहुत सुंदर है।
- आयुष आलसी लड़का है।

इन वाक्यों में 'लाल' व 'सुंदर' शब्द फूल का गुण बता रहे हैं, तो 'आलसी' शब्द आयुष का दोष बता रहा है। अतः वे शब्द गुणवाचक विशेषण के अंतर्गत आएँगे।

बगीचे में सुंदर फूल हैं।

.धरमपुर स्वच्छ नगर है।

स्वर्गवाहिनी गंदी नदी है।

स्वस्थ बच्चे खेल रहे हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में सुंदर, स्वच्छ, गंदी और स्वस्थ शब्द गुणवाचक विशेषण हैं। गुण का अर्थ अच्छाई ही नहीं, किन्तु कोई भी विशेषता। अच्छा, बुरा, खरा, खोटा सभी प्रकार के गुण इसके अंतर्गत आते हैं।

learnkwniy

संख्यावाचक विशेषण

जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की संख्या की जानकारी दे, वे संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं।

दूसरे शब्दों में कहे तो

जिस विशेषण से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध होता है, उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

उदहारण

कक्षा में चालीस विद्यार्थी उपस्थित हैं।
दोनों भाइयों में बड़ा प्रेम हैं।

उनकी दूसरी लड़की की शादी है।

देश का हरेक बालक वीर है।

पर्युक्त वाक्यों में चालीस, दोनों, दूसरी और हरेक शब्द संख्यावाचक विशेषण हैं

संख्यावाचक विशेषण के दो भेद हैं

- निश्चित संख्यावाचक विशेषण
- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण।

निश्चित संख्यावाचक विशेषण

जो विशेषण शब्द निश्चित संख्या का बोध कराते हैं, वे निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं।

learnkwniy

जैसे

एक, पाँच, सात, बारह, तीसरा, आदि।

मेरी कक्षा में चालीस छात्र हैं।

डाल पर दो चिड़ियाँ बैठी हैं।

अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

वे संज्ञा शब्द जो विशेष्य की निश्चित संख्या का बोध न कराते हों, वे अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे

कुछ बच्चे, कम छात्र, कई घोड़े इत्यादि।

निश्चित संख्यावाचक के अंतर्गत आनेवाले पूर्णांक बोधक विशेषण के पहले लगभग या करीब और बाद में एक या ओं प्रत्यय लगाने से अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण हो जाता है।

निश्चित संख्यावाचक के छः भेद हैं

1 पूर्णांक बोधक-

जैसे, एक, दस, सौ, हजार, लाख आदि।

2. अपूर्णांक बोधक-

जैसे, पौना, सवा, डेढ, ढाई आदि।

3. क्रमवाचक-

जैसे, दूसरा, चौथा, ग्यारहवाँ, पचासवाँ आदि।

4. आवृत्तिवाचक-

जैसे, दुगुना, तिगुना, दसगुना आदि।

5. समूहवाचक-

जैसे, तीनों, पाँचों, आठों आदि।

learnkwniy

6. प्रत्येक बोधक-

जैसे, प्रति, प्रत्येक, हरेक, एक-एक आदि।

परिमाणवाचक विशेषण

जिस विशेषण से किसी वस्तु की नाप-तौल का बोध होता है, उसे परिमाण-बोधक विशेषण कहते हैं।

दूसरे शब्दों में कहे तो

जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की परिमाण अर्थात माप-तोल संबंधी जानकारी दें, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

learnkwniy

जैसे

चार किलो चीनी।

दो लीटर दूध।

पाँच मीटर कपड़ा।

बीमार को थोड़ा पानी देना चाहिए।

परिमाणवाचक विशेषण को दो भागों में बाँटा गया है

- **निश्चित परिमाणवाचक**
- **अनिश्चित परिमाणवाचक**

निश्चित परिमाणवाचक विशेषण

जो विशेषण शब्द निश्चित माप-तोल बताते हैं, वे निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं;

जैसे

चार सेर गेहूँ, पाँच मीटर कपड़ा, दस लीटर दूध आदि।

अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

जो विशेषण शब्द निश्चित माप-तोल नहीं बताते वे अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

जैसे

थोड़ा पानी और अधिक काम, कुछ परिश्रम आदि।

learnkwniy

सार्वनामिक विशेषण

जो सर्वनाम विशेषण के रूप में प्रयुक्त होते हैं, उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं ।

दूसरे शब्दों में कहे तो

जब कोई सर्वनाम शब्द संज्ञा शब्द से पहले आए तथा वह विशेषण शब्द की तरह संज्ञा की विशेषता बताये, उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

जैसे-

1. वह आदमी व्यवहार से कुशल है।
2. कौन छात्र मेरा काम करेगा।

3. वह लड़की अच्छी है। वह पुस्तक मेरी है।

उपर्युक्त वाक्यों में वह और कौन यह' 'वह' शब्द सार्वनामिक विशेषण हैं।

सार्वनामिक विशेषण के दो प्रकार हैं

- 1.मूल सार्वनामिक विशेषण और
- 2.यौगिक सार्वनामिक विशेषण।

1.मूल सार्वनामिक विशेषण

◆◆जो सर्वनाम बिना किसी रूपांतर के विशेषण के रूप में प्रयुक्त होता है उसे मूल सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

जैसे-

1. वह लड़की विद्यालय जा रही है।
2. कोई लड़का मेरा काम कर दे।
3. कुछ विद्यार्थी अनुपस्थित हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में वह, कोई और कुछ शब्द मूल सार्वनामिक विशेषण हैं।

2.यौगिक सार्वनामिक विशेषण

जो सर्वनाम मूल सर्वनाम में प्रत्यय आदि जुड़ जाने से विशेषण के रूप में प्रयुक्त होता है उसे यौगिक सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

जैसे-

1. ऐसा आदमी कहाँ मिलेगा?

learnkwniy

2. कितने रूपये तुम्हें चाहिए?

3. मुझसे इतना बोझ उठाया नहीं जाता।

व्यक्तिवाचक विशेषण

वे विशेषण जो संज्ञा से बनकर अन्य संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताते है

जैसे

जोधपुरी जूती,काशमीरी सेव, बीकानेरी भुजिये

learnkwniy